डाक संवाद

फरवरी 2026

अभिकल्पना एवं संकलन - विपणन प्रभाग

भारतीय डाक
India Post

सफ़र

पृष्ठ संख्या

1
- माननीय प्रधानमंत्री द्वारा पूजापुरा प्रधान डाकघर का उद्घाटन
- डाक अवसंरचना और नागरिक सेवाओं को सुदृढ़ बनाना

2 भारत संपर्क : भारत की युवा प्रतिभाओं से जुड़ाव

3 कारोबार बैठक 2025-26 (तीसरी तिमाही): विकास और नवपरिवर्तन को प्रोत्साहन

4 लॉजिस्टिक्स और ग्रामीण सेवा डिलीवरी तंत्र को सुदृढ़ करने हेतु साझेदारी

5
- भारतीय डाक-एसएसएल के बीच परस्पर सहयोग
- भारत-जर्मनी के बीच परस्पर डाक सहयोग

6
- एमएसएमई एवं छोटे निर्यातकों के लिए निर्यात लाभों के साथ सक्षम डाक चैनल
- भारतीय डाक ने अब तक का पहला ओएनडीसी ऑर्डर डिलीवरी किया
- एटीएम अवसंरचना का बड़े पैमाने पर नवीकरण

7 नव वर्ष का उत्सव

पृष्ठ संख्या

9 77वां गणतंत्र दिवस समारोह

10 प्रतिष्ठा की डिलीवरी

11 युवाओं के ज्ञान वर्धन में सहायक : ज्ञान पोस्ट

12 नई पीढ़ी के डाकघर : नए भारत के लिए नए तरीके से तैयार

14
- डाक नायक
- शब्दों से बढ़कर सेवा

15 विशेष

16 फिलैटली कॉर्नर : डाक-टिकट और कहानियां

19 हाइलाइट्स

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा पूजापुरा प्रधान डाकघर का उद्घाटन

23 जनवरी 2026 को, भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने केरल के तिरुवनंतपुरम में पूजापुरा प्रधान डाकघर का उद्घाटन किया। अत्याधुनिक सुविधाओं, उन्नत अवसंरचना, बेहतर डिजिटल कनेक्टिविटी और जनता तक सेवाओं की व्यापक डिलीवरी क्षमता से लैस यह डाकघर नागरिक-केंद्रित सेवाओं के प्रति भारतीय डाक के विजन का प्रतिबिंब है। प्रधानमंत्री जी द्वारा इसका उदघाटन किया जाना राज्य में डाक सेवाओं को सुदृढ़ करने के प्रति भारतीय डाक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही यह, सरकार द्वारा प्राथमिकता आधार पर वित्तीय समावेशन, डिजिटल सशक्तिकरण तथा निर्बाध लॉजिस्टिक्स सेवाएँ प्रदान करने के प्रयासों में सहयोग करने के विभाग के संकल्प का भी प्रतीक है।

डाक अवसंरचना और नागरिक सेवाओं को सुदृढ़ बनाना

केंद्रीय संचार और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने 8 से 11 जनवरी 2026 तक मध्य प्रदेश की अपनी यात्रा के दौरान छह नवीकृत डाकघरों का उद्घाटन किया। वे डाकघर जिनका उन्नयन किया गया, उनमें कोलारस, जगतपुरा, बदरवास, पिछोरे, कत्थामिल और सिटी पोस्ट-ऑफिस उप-डाकघर शामिल हैं। बेहतर ग्राहक सुविधाओं से सुसज्जित ये डाक-कार्यालय, विशेष रूप से अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में दक्षता तथा पहुंच में सुधार करते हुए, डाक एवं पार्सल डिलीवरी, बचत एवं बीमा योजनाओं, डिजिटल सेवाओं और वित्तीय समावेशन संबंधी पहलों सहित भारतीय डाक की अन्य सेवाओं की निर्बाध सुलभता सुनिश्चित करेंगे। इसके अलावा, माननीय मंत्री जी ने शिवपुरी में 111 करोड़ रुपये के अनुमानित लागत से डाक प्रशिक्षण केंद्र के निर्माण की भी घोषणा की। यह विभाग का सातवाँ प्रशिक्षण-केंद्र होगा। यह डाक प्रशिक्षण पारिस्थितिकी को मजबूत करेगा और शिवपुरी को सहारनपुर, वडोदरा, मैसूर, गुवाहाटी, मदुरै और दरभंगा की तर्ज पर प्रमुख प्रशिक्षण केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

भारत संपर्क : भारत की युवा प्रतिभाओं से जुड़ाव

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

केंद्रीय संचार और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास (डीओएनईआर) मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने संपर्क पहल "भारत संपर्क - एंगेजिंग इंडियाज यंग माइंड्स" के एक हिस्से के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली परिसर का दौरा किया और छात्रों के साथ बातचीत की।

इस बातचीत के दौरान, छात्रों ने माननीय केंद्रीय मंत्री के साथ; प्रौद्योगिकी के अंगीकरण, लॉजिस्टिक्स, नवाचार, अनुसंधान में सहयोग और सार्वजनिक संस्थानों में युवाओं को भागीदारी के अवसर सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मंत्री जी ने छात्रों को राष्ट्र निर्माण और सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने हेतु प्रोत्साहित किया।

करियर संबंधी अवसरों और सरकारी संस्थानों के साथ लाइव जुड़ाव पर छात्रों के सवालों का जवाब देते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय डाक महत्वपूर्ण तकनीकी उन्नयन और संगठनात्मक रूपांतरण के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने लॉजिस्टिक्स, नागरिक-केंद्रित सेवाओं, वित्तीय समावेशन और डिजिटल सेवा डिलीवरी के क्षेत्र में भारतीय डाक की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला और छात्रों को इंटर्नशिप, लाइव परियोजनाओं और नवाचार-चालित समन्वय के माध्यम से विभाग के साथ जुड़ने के लिए आमंत्रित किया।

यात्रा के दौरान, उन्होंने आईआईटी दिल्ली स्थित एन-जेन डाकघर का भी दौरा किया, जो छात्र-केंद्रित और डिजिटल रूप से सक्षम डाक सुविधा केंद्र है। यह डाकघर, छात्रों द्वारा डिजाइन किए गए इंटीरियर, मुफ्त वाई-फाई, क्यूआर-आधारित सेवाओं और छात्रों से संपर्क बढ़ाने के लिए समर्पित काउंटरों से लैस हैं।

कारोबार बैठक 2025-26 (तीसरी तिमाही) : विकास और नवपरिवर्तन को प्रोत्साहन

माननीय केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने भारतीय डाक के विकास और उसके नवपरिवर्तन के कार्य में तेजी लाने के उद्देश्य से एक उच्च स्तरीय क्यू3 व्यापार समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। माननीय संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक में सचिव (डाक), सुश्री वंदिता कौल भी उपस्थिति रहीं। समीक्षा में, विकसित भारत के विजन को ध्यान में रखते हुए सर्कल-वार और वर्टिकल-वार कार्यप्रदर्शन, सेवा की गुणवत्ता, प्रचालन दक्षता और राजस्व वृद्धि पर चर्चा की गई। माननीय मंत्री ने अनुशासित निष्पादन और सर्वोत्तम प्रथाओं का अनुसरण कर पार्सल, लॉजिस्टिक्स और अंतर्राष्ट्रीय मेल सेवाओं को सुदृढ़ करने पर बल दिया।

भारतीय डाक ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तीन तिमाहियों के दौरान 8.2 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज करते हुए 10,155 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। राजस्थान समग्र रूप से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सर्कल के रूप में उभरा, जबकि कर्नाटक 'डाकघर बचत बैंक' सेवा में सबसे अग्रणी रहा। नागरिक केन्द्रित सेवाओं के क्षेत्र में असाधारण वृद्धि दर्ज की गई और दिल्ली, महाराष्ट्र तथा राजस्थान सबसे आगे रहे। डाक जीवन बीमा में, उत्तर प्रदेश शीर्ष प्रदर्शन करने वाला प्रदेश बनकर उभरा। वर्टिकल-वार कार्य-प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए, माननीय मंत्री ने नागरिक केंद्रित सेवाओं, पार्सल, डाक जीवन बीमा और डाकघर बचत बैंक के क्षेत्र में मजबूत वृद्धि की सराहना की और वर्टिकल प्रमुखों को जमीनी स्तर पर कार्य-प्रदर्शन मजबूत करने के लिए फील्ड दौरे करने का निर्देश दिया।

लॉजिस्टिक्स और ग्रामीण सेवा डिलीवरी तंत्र को सुदृढ़ करने हेतु साझेदारी

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

डाक विभाग ने कृषि और किसान कल्याण विभाग तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिससे भारतीय डाक की अखिल भारतीय स्तर पर लॉजिस्टिक्स का आधार स्तम्भ होने और ग्रामीण विकास के प्रमुख प्रवर्तक के रूप में उसकी भूमिका को मजबूती मिलेगी। दोनों समझौता ज्ञापनों पर केंद्रीय संचार और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया तथा केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

कृषि और किसान कल्याण विभाग के साथ साझेदारी के तहत, भारतीय डाक दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों सहित देश के आखिरी छोर तक फैले अपने व्यापक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क का लाभ उठाते हुए, फील्ड निरीक्षकों द्वारा एकत्र किए गए कीटनाशकों, बीज और उर्वरक के नमूनों की आवाजाही के लिए एंड-टु-एंड, सुरक्षित, ट्रेस की जा सकने वाली और समयबद्ध लॉजिस्टिक्स सहायता प्रदान करेगा।

इसके अलावा, ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ समन्वय स्थापित करके इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक द्वारा अपने डिजिटली सक्षम प्लेटफॉर्म के माध्यम से बचत, भुगतान और विप्रेषण जैसी डोरस्टेप बैंकिंग सेवाएँ प्रदान की जाएंगी, जबकि नकदी रहित लेनदेन, बेहतर रिकॉर्ड-कीपिंग और मजबूत वित्तीय एवं बाजार संबंधों को बढ़ावा देने के लिए 'स्वयं सहायता समूह' के सदस्यों को इलेक्ट्रॉनिक टैबलेट और पीओएस उपकरणों से लैस कर सशक्त बनाया जाएगा।

ये साझेदारियां, देश के कोने-कोने तक कनेक्टिविटी का विस्तार करने और विश्वसनीय लॉजिस्टिक्स और डिजिटल वित्तीय सेवाओं के माध्यम से ग्रामीण समुदायों के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

भारतीय डाक-एसएसएल के बीच परस्पर सहयोग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने हेतु डाक विभाग ने अपने व्यापक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के माध्यम से नागरिकों को विनियमित पूंजी बाजार संबंधी सेवाएं प्रदान करने के लिए स्टॉकहोल्डिंग सर्विसेज लिमिटेड (एसएसएल) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत, नागरिकों द्वारा आधिकारिक प्लेटफार्मों और चयनित डाकघरों पर उपलब्ध ऑनबोर्डिंग लिंक और क्यूआर कोड जैसी डिजिटल यूटिलिटीज़ के माध्यम से एसएसएल की सेवाओं तक पहुँच प्राप्त की जा सकेगी, जिससे उन्हें डीमैट और ट्रेडिंग खाते खोलने, म्यूचुअल फंड निवेश, आईपीओ और अन्य अनुमत निवेश उत्पादों में निवेश करने सहित विभिन्न सुविधाएं प्राप्त होंगी। एसएसएल के साथ साझेदारी का मुख्य फोकस डाक विभाग के सहयोग से वित्तीय जागरूकता और निवेशक शिक्षा का प्रचार-प्रसार करना, तथा निवेशक शिक्षा और वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित करना है ताकि विशेष रूप से ग्रामीण तथा अर्ध-शहरी क्षेत्रों में नए निवेशकर्ताओं तथा आम नागरिकों को वित्तीय बाजारों में सुविज्ञ भागीदारी हेतु प्रोत्साहित किया जा सके।

भारत-जर्मनी के बीच परस्पर डाक सहयोग

इस माह, भारत और जर्मनी के बीच डाक, एक्सप्रेस और लॉजिस्टिक्स संबंधी सेवाओं के क्षेत्र में परस्पर सहयोग को और अधिक मजबूती प्रदान करने के संबंध में हुए समझौते के माध्यम से भारतीय डाक ने अपनी वैश्विक और संस्थागत साझेदारी को सुदृढ़ किया। डाक विभाग और जर्मन समकक्षों के बीच एक संयुक्त घोषणा पत्र (जेडीआइ) और एक आशय पत्र (एलओआइ) का आदान-प्रदान किया गया। भारत सरकार की ओर से सुश्री वंदिता कौल, सचिव (डाक) और जर्मनी सरकार की ओर से भारत में फेडरल रिपब्लिक ऑफ जर्मनी के राजदूत डॉ. फिलिप एकरमैन ने इस आशय की संयुक्त घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए। इसके अलावा, डाक विभाग के लिए डाक सेवा महानिदेशक श्री जितेंद्र गुप्ता और डॉयचे पोस्ट के लिए डॉयचे पोस्ट एजी/डीएचएल ग्रुप के सीईओ श्री टोबियास मेयर ने आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य विदेशों में ई-कॉमर्स, समय-बद्ध अंतर्राष्ट्रीय डिलीवरी, नेटवर्क कनेक्टिविटी और अंतिम-मील प्रचालन के क्षेत्र में परस्पर सहयोग को बढ़ावा देना है। यह साझेदारी डिजिटलीकरण, प्रचालन-दक्षता और संधारणीय लॉजिस्टिक्स पर भी बल देती है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सेवा गुणवत्ता में सुधार करना और विशेष रूप से एमएसएमई तथा छोटे निर्यातकों की वैश्विक बाजार पहुंच को बढ़ाना है।

एमएसएमई एवं छोटे निर्यातकों के लिए निर्यात लाभों के साथ सक्षम डाक चैनल

डाक विभाग, संचार मंत्रालय ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) द्वारा जारी अधिसूचनाओं के अनुसरण में 15 जनवरी 2026 से डाक चैनल के माध्यम से किए गए निर्यातों के लिए निर्यात लाभों – निर्यात किए गए उत्पादों पर शुल्क वापसी, शुल्क और कर माफी (आरओडीटीईपी) तथा राज्य एवं केंद्रीय कर व लेवी की छूट (आरओएससीटीएल) के विस्तार को प्रचालनरत किया है।

यह पहल निर्यात तक पहुंच को सरल और व्यापक बनाने के प्रति एक प्रमुख कदम है विशेषतः एमएसएमई, कारीगरों, स्टार्ट-अप एवं छोटे निर्यातकों के लिए जो कम व मध्यम मूल्य के अंतरराष्ट्रीय खेपों के लिए मुख्य रूप से डाक नेटवर्क पर निर्भर रहते हैं। स्वचालित आईजीएसटी रिफंड पहले से ही चल रहे हैं और डाक चैनल के माध्यम से निर्यात प्रोत्साहनों की उपलब्धता लागतों को और कम करती है, चलनिधि में सुधार करती है और भारतीय निर्यातकों के बीच प्रतिस्पर्धा को बढ़ाती है।

भारतीय डाक ने अब तक का पहला ओएनडीसी ऑर्डर डिलीवर किया

भारतीय डाक ने डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क (ओएनडीसी) के तहत लॉजिस्टिक सेवा प्रदाता के रूप में अपना पहला ऑनलाइन ऑर्डर सफलतापूर्वक डिलीवर करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जिससे किफायती और सुलभ ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स को सक्षम बनाने में भारतीय डाक की भूमिका सुदृढ़ हुई है। ओएनडीसी के साथ डाक विभाग का एकीकरण, भारतीय डाक के व्यापक राष्ट्रव्यापी डाक नेटवर्क और अंतिम-मील तक पहुंच का लाभ उठाते हुए ओएनडीसी-सक्षम खरीदार एप्लिकेशन का उपयोग करने वाले विक्रेताओं को पिक-अप, बुकिंग, पारेषण और डिलीवरी सहित एंड-टू-एंड पार्सल सेवाओं के लिए भारतीय डाक का चयन करने की अनुमति देता है।

वर्तमान में भारतीय डाक, ओएनडीसी पर "क्लिक एंड बुक" मॉडल के अंतर्गत लाइव है जो विक्रेताओं को डिजिटल रूप से पिकअप रिक्वेस्ट जेनरेट करने, भारतीय डाक को अपने लॉजिस्टिक पार्टनर के रूप में चुनने और सीधे उनके परिसर से पार्सल लेने में सक्षम कर रहा है। यह पहल अंतिम-मील तक डिलीवरी को सुदृढ़ करती है और निर्बाध एवं किफायती लॉजिस्टिक सेवाओं के माध्यम से एमएसएमई और छोटे विक्रेताओं की बाजार तक पहुंच बढ़ाने में समर्थन करती है।

एटीएम अवसंरचना का बड़े पैमाने पर नवीकरण

बैंकिंग सेवाओं को अधिक सुलभ और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में डाक विभाग ने देशभर में अपनी एटीएम अवसंरचना का नवीकरण किया है।

विभिन्न डाकघरों में संस्थापित 887 एटीएम, नागरिकों को उनके घरों के नजदीक आवश्यक बैंकिंग सेवाओं तक पहुंचने में मदद कर रहे हैं। यह पहल विशेष रूप से ग्रामीण और बैंकिंग सेवा से वंचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए फायदेमंद है। इससे डिजिटल रूपांतरण के माध्यम से वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने के सरकार के दृष्टिकोण को भी समर्थन मिलता है।

इन एटीएम के माध्यम से ग्राहक आसानी से कैश निकाल सकते हैं, खाते की शेष राशि देख सकते हैं और अन्य मूलभूत बैंकिंग संबंधी लेन-देन कर सकते हैं।

नव वर्ष का उत्सव

नव वर्ष की शुरुआत गर्मजोशी और कृतज्ञता के साथ करते हुए, माननीय केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया ने देशभर के ग्राहकों और हितधारकों को हार्दिक बधाई दी और भारतीय डाक के प्रति उनके निरंतर विश्वास के लिए उन्हें धन्यवाद देते हुए उनकी सराहना की। एक विशेष आउटरीच पहल के भाग के रूप में, विभिन्न राज्यों में बहुमूल्य ग्राहकों को नव वर्ष के वैयक्तिक बधाई और प्रशंसा पत्र वितरित किए गए। इससे वर्ष की शुरुआत में ही विभाग के साथ उनकी स्थायी साझेदारी और साझा विकास यात्रा का जश्न मनाया गया, जिससे विश्वास, सद्भावना एवं नागरिक जुड़ाव सुदृढ़ हुआ।

पंजाब

नागालैंड

मध्य प्रदेश

कर्नाटक

डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी, माननीय संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ने भारतीय डाक परिवार को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी। पिछले वर्ष पर चर्चा करते हुए उन्होंने कनेक्टिविटी को मजबूत करने, सेवाओं तक नागरिक पहुंच का विस्तार करने और जनता के विश्वास को मजबूत करने में डाक कर्मचारियों के समर्पण और सामूहिक प्रयासों की सराहना की।

इसी गति से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हुए माननीय मंत्री ने डाक सेवा, जन सेवा की भावना की पुष्टि करते हुए आने वाले वर्ष में नए उद्देश्य, सेवा करने में गौरवान्वित महसूस करने और रूपांतरण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध रहने का संदेश दिया।

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

नव वर्ष के अपने संदेश में सुश्री वंदिता कौल, सचिव (डाक) ने नवाचार, डिजिटल सक्षमता और नागरिक-केंद्रित सेवा डिलीवरी पर भारतीय डाक के निरंतर ध्यान देने की बात दोहराई। उन्होंने विभाग के बुनियादी मूल्यों के रूप में विश्वास और सेवा पर जोर दिया और आने वाले वर्ष में संस्थागत क्षमता और सेवा उत्कृष्टता को मजबूत करने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

77वां गणतंत्र दिवस समारोह

दिल्ली

गुजरात

झारखंड

मेघालय

भारतीय डाक द्वारा सभी 23 डाक सर्कलों में गर्व से 77वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। देशभर के डाकघरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, जो सेवा, विश्वास और राष्ट्रीय एकता के प्रति विभाग की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

हिमाचल प्रदेश

26 जनवरी 2026 को शिमला के ऐतिहासिक रिज ग्राउंड में गणतंत्र दिवस की परेड के दौरान हिमाचल प्रदेश डाक सर्कल के डाकिया दल ने गर्व और उत्साह के साथ भाग लिया। दल ने डाक विभाग के सेवा भाव को परिलक्षित करने वाला एक प्रभावशाली कदम-ताल (मार्च-पास्ट) प्रस्तुत किया जो अनुशासन, समर्पण और देशभक्ति का प्रतीक था।

77वें गणतंत्र दिवस की पूर्वसंध्या पर देशभर में स्थित डाकघरों को राष्ट्रीय झंडे के रंगों से रोशन किया गया, जिससे देशभक्ति और राष्ट्रीय गरिमा की जीवंत भावना झलक रही थी। शहरी केंद्रों से लेकर छोटे कस्बों तक डाकघर भवनों को तिरंगे के प्रकाश से खूबसूरती से सजाया गया था, जो एकता, संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्र एवं इसके लोगों के साथ भारतीय डाक के घनिष्ठ संबंध का प्रतीक है।

प्रतिष्ठा की डिलीवरी

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

भारतीय डाक को राष्ट्रपति भवन द्वारा देशभर के विशिष्ट नागरिकों तक भारत के राष्ट्रपति के एट-होम रिसेप्शन के निमंत्रण पहुंचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

देश के महानगरों, गांवों, वनों और दूरदराज के क्षेत्रों में पद्म पुरस्कार विजेताओं, शिक्षकों, कलाकारों, उद्यमियों, खिलाड़ियों और सामाजिक योगदानकर्ताओं तक ये विशेष प्रोटोकॉल डिलीवरी की गई। ये निमंत्रण अत्यधिक सावधानी, गोपनीय और समयबद्ध रूप से पहुंचाए जाने थे। भारतीय डाक ने सटीकता और समर्पण के साथ विश्वास और दक्षता की अपनी विरासत को बनाए रखते हुए देशभर में सुरक्षित और त्वरित डिलीवरी सुनिश्चित करके इस जिम्मेदारी को पूरा किया।

युवाओं के ज्ञान वर्धन में सहायक : ज्ञान पोस्ट

वसंत पंचमी के अवसर पर सभी 23 डाक सर्कलों ने बच्चों के लिए पुस्तक वितरण कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें फिलैटली और नैतिक कहानियों संबंधी प्रकाशनों को साझा किया गया। इस पहल का उद्देश्य पढ़ने की आदतों को बढ़ावा देना, युवा मस्तिष्कों को डाक-टिकटों की आकर्षक दुनिया से परिचित कराना और सीखने, जिज्ञासा और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में भारतीय डाक की भूमिका को मजबूत करने वाली आकर्षक कहानियों के माध्यम से मूल्यों को स्थापित करना था।

कार्यक्रम के भाग के रूप में, बच्चों को श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया, माननीय संचार मंत्री और डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी, माननीय संचार राज्य मंत्री के विशेष संदेश वाले पोस्टकार्ड भी भेंट किए गए। इससे बच्चों को जिज्ञासु होने, शिक्षा को शक्ति के स्रोत के रूप में अपनाने और उत्साह के साथ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

हिमाचल प्रदेश

छत्तीसगढ़

जम्मू और कश्मीर

महाराष्ट्र

नई पीढ़ी के डाकघर :
नए भारत के लिए नए तरीके से तैयार

भारतीय डाक ने नई पीढ़ी के डाकघरों का विस्तार करते हुए अपने आधुनिकीकरण अभियान को जारी रखा है, जिससे पारंपरिक डाकघरों को आज के ज़माने के, युवा केंद्रित और नागरिकों अनुकूल सेवा हब के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है।

आईआईएम हैदराबाद, आईआईएम अहमदाबाद, एसवीएनआईटी सूरत, आईआईटी मद्रास, पुणे विश्वविद्यालय और कश्मीर विश्वविद्यालय जैसे बड़े शैक्षणिक संस्थानों में कुल 45 नई पीढ़ी के डाकघर खोले गए हैं। इनमें से 11 डाकघरों का उद्घाटन केवल जनवरी, 2026 में हुआ।

छात्रों की सक्रिय भागीदारी से डिज़ाइन किए गए इन डाकघरों में मॉडर्न इंटीरियर, डिजिटल सर्विस, फ्री वाई-फ़ाई और क्रिएटिव स्थान हैं, जो भारतीय डाक के विश्वास की पुरानी विरासत को नए ज़माने के नवोन्मेषों के साथ मिलाते हैं, जिससे भारतीय डाक का युवा उपयोगकर्ताओं के साथ जुड़ाव सुदृढ़ होता है।

आईआईटी हैदराबाद

आईआईटी मद्रास

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र

कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर

जाधवपुर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल

मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी संस्थान, मध्यप्रदेश

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय

पीजीआई चंडीगढ़, पंजाब

एसवीएनआईटी सूरत, गुजरात

आईआईएम अहमदाबाद, गुजरात

बीआईटीएस पीलानी, राजस्थान

डाक नायक

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

कंपकंपाती सर्दियों के बावजूद, भारतीय डाक की सेवा अनवरत जारी रही। काज़ा उप डाकघर के अंतर्गत रंगरिक में 21,499 फीट की ऊंचाई पर, जब तापमान -19°C तक गिर चुका था, समतन डोलकर, सहायक शाखा पोस्टमास्टर ने बिना किसी रुकावट के डाक के प्रचालनों को जारी रखा, जिससे एक बार पुनः प्रमाणित हुआ कि प्रतिबद्धता के मार्ग में दूरी और प्रतिकूल मौसम कोई बाधा नहीं हैं।

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

बस्तर, छत्तीसगढ़ के घने जंगलों में, शाखा पोस्टमास्टर सुश्री रामबती पोयम के समर्पण से भारतीय डाक द्वारा दूर-दराज के गांवों में न सिर्फ़ सेवाएं ही प्रदान की जा रही हैं, बल्कि विश्वास, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता में मदद की जा रही है। सुकन्या समृद्धि योजना, आवर्ती जमा और सावधि जमा जैसी स्कीम तक पहुंच आसान बनाकर, भारतीय डाक न सिर्फ़ वित्तीय पहुंच को सुलभ बना रहा है, बल्कि परिवारों को बेहतर भविष्य बनाने के लिए भरोसा और सुरक्षा भी प्रदान कर रहा है।

शब्दों से बढ़कर सेवा

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

इंदौर डाक क्षेत्र के अंतर्गत खंडवा डिवीजन में, डाक जीवन बीमा (पीएलआई) के लिए आउटरीच के दौरान एक अनोखी स्थिति पैदा हुई, जब एक मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव ने एक ऐसे ग्राहक से बात की जो सुनने और बोलने में असमर्थ था। बातचीत व्यवधानों के बावजूद, इस चुनौती को सबको साथ लेकर चलने वाली सेवा के अवसर में बदल दिया गया। श्री जुनैद खान, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, खंडवा प्रधान डाकघर, ने समझदारी से हेल्पलाइन से मदद मांगी। वीडियो कॉल के ज़रिए, सांकेतिक भाषाओं में बातचीत हुई, और बातचीत के आधार पर, ग्राहक को डाक जीवन बीमा स्कीम की पूरी जानकारी लिखकर दी गई। इस समझदारी भरे और सबको साथ लेकर चलने वाले प्रयास ने ग्राहक को डाक जीवन बीमा कवरेज का फायदा उठाने में मदद की, जो भारतीय डाक की पहुंच, संवेदना और ज़िम्मेदार लोक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

भारतीय डाक

India Post

विशेष

वीडियो देखने के लिए
इस QR कोड को स्कैन करें

आस्था और भक्ति से परिपूर्ण उल्लेखनीय यात्रा में, भारतीय डाक ने राम लला की भव्य प्रतिमा को राम मंदिर, अयोध्या में प्रतिस्थापन के लिए सुरक्षित तरीके से कर्नाटक से अयोध्या पहुंचाया। सोने, चांदी और हीरों से सजी यह प्रतिमा अत्यंत सावधानी और सुरक्षित रूप में पहुंचाई गई, जो सेवा डिलीवरी में सटीकता, सुरक्षा और गरिमा के प्रति भारतीय डाक की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

वीडियो देखने के लिए
इस QR कोड को स्कैन करें

वर्ष 2003 में स्थापित, डाक प्रशिक्षण केंद्र, गुवाहाटी, पूर्वोत्तर क्षेत्र के डाक अधिकारियों और कर्मचारियों को संरचित, आधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिससे सक्षम, आत्मविश्वासी और भविष्य के डाक कर्मयोगी तैयार होते हैं। अत्याधुनिक कक्षाओं, विशेषज्ञ शिक्षकों और आवासीय सुविधाओं से सुसज्जित यह केंद्र पेशेवर उत्कृष्टता और सेवा-उन्मुख मूल्यों को बढ़ावा देता है, जिससे भारतीय डाक की गुणवत्ता और दक्षता सुदृढ़ होती है।

गुवाहाटी के शांत प्राकृतिक दृश्यों के बीच स्थित यह संस्थान एक प्रेरणादायक वातावरण प्रदान करता है जहां डाक कर्मयोगी ज्ञान प्राप्त करते हैं, क्षमताएं विकसित करते हैं और समर्पण के साथ सेवा करने के लिए तत्पर होते हैं।

फिलैटली कॉर्नर : डाक-टिकट और कहानियां

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर, सुश्री वंदिता कौल, सचिव (डाक), श्री जितेंद्र गुप्ता, महानिदेशक (डाक सेवाएं), डाक सेवा बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सचित्र पोस्टकार्ड का सेट जारी किया गया, जो स्वामी विवेकानंद के शाश्वत आदर्शों से युवाओं को प्रेरित करता है।

गुंटूर, अमरावती, आंध्र प्रदेश सर्कल में आयोजित तृतीय विश्व तेलुगु सम्मेलन - 2026 में तेलुगु भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि का उत्सव मनाते हुए विशेष कवर जारी किया गया। इसका अनावरण डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी, संचार राज्यमंत्री और श्री नारा चंद्रबाबू नायडू, मुख्यमंत्री, आंध्र प्रदेश की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।

वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष पूरे होने और भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर, मध्य क्षेत्र, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु सर्कल ने ब्रेल लिपि में अंकित थीम आधारित सचित्र पोस्टकार्ड का सीमित संस्करण जारी किया।

भारत डाक ने, भारत-पाकिस्तान युद्ध के एक निर्णायक समय, ऐतिहासिक लोंगेवाला युद्ध (1971) की स्मृति में जीपीओ, मुंबई में विशेष डाक कवर जारी किया, जो असाधारण साहस तथा रणनीतिक कुशलता का प्रतीक था। यह कवर, 23 पंजाब रेजिमेंट की वीरता और भारतीय वायु सेना के 122 स्क्वाड्रन की निर्णायक भूमिका का सम्मान करता है, जिनके समन्वित रक्षा और हवाई सहयोग ने दुश्मन के एक बड़े आक्रमण को विफल कर दिया। इसे, श्री अमिताभ सिंह, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, महाराष्ट्र सर्कल द्वारा श्रीमती अमृता फड़णवीस और अन्य विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में वीरता, बलिदान और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में जारी किया गया।

समाज और शिक्षा में शतरंज विषय पर एफआईडीई के वैश्विक सम्मेलन के अवसर पर, श्री निर्मलजीत सिंह, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, ओडिशा सर्कल ने विशेष आवरण का विमोचन किया। यह विमोचन पद्म विभूषण ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद और श्री अर्कादी ड्वोरकोविच, अध्यक्ष, एफआईडीई की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।

नव वर्ष 2026 के अवसर पर, कर्नल अखिलेश कुमार पांडे, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, दिल्ली सर्कल ने वर्ष 2026 का फिलैटली डेस्क कैलेंडर जारी किया, जिसमें दिल्ली के ऐतिहासिक स्मारकों के डाक-टिकटों को दर्शाया गया है।

हाइलाइट्स

भारत के माननीय उप राष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जन्मभूमि ओडिशा सर्कल के कटक में आईएनए डाक-टिकट गैलरी का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर ओडिशा के माननीय राज्यपाल महामहिम डॉ. हरि बाबू कम्भमपति और ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इस गैलरी में इंडियन नेशनल आर्मी (आईएनए), स्वतंत्रता संग्राम और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन और आदर्शों पर प्रकाश डालने वाले डाक-टिकटों और फिलैटलिक वस्तुओं का एक क्यूरेटेड संग्रह प्रदर्शित किया गया। इस आयोजन की समृति में एक विशेष आवरण भी जारी किया गया।

महाराष्ट्र सर्कल ने पर्यावरण-अनुकूलित और कुशल अंतिम-मील डिलीवरी को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पोस्टमेन कार्मिकों के लिए 200 इलेक्ट्रिक वाहनों की आधिकारिक शुरुआत को चिह्नित करने हेतु प्रतिष्ठित मुंबई जनरल पोस्ट ऑफिस में एक बहुआयामी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, महाराष्ट्र सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्री अमिताभ सिंह द्वारा 200 ई-बाइक के लॉन्च के उपलक्ष्य में एक विशेष डाक कवर जारी किया और श्री मनोज कुमार, डीपीएस (मेल एवं बीडी), महाराष्ट्र सर्कल, सुश्री सिमरन कौर, डीपीएस (मुख्यालय), महाराष्ट्र सर्कल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में श्रीमती अमृता फडणवीस को पहला एल्बम प्रस्तुत किया गया।

फिलैटली के प्रचार-प्रसार हेतु और भारतीय डाक की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से वडोदरा ईस्ट डिवीजन, गुजरात सर्कल द्वारा 9 जनवरी 2026 को अकोटा अतिथि गृह, वडोदरा में जिला स्तरीय फिलैटलिक प्रदर्शनी वडोपैक्स-2026 का आयोजन किया गया था। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन वडोदरा क्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री. दिनेश कुमार शर्मा द्वारा किया गया। पद्मश्री परेश राठवा की पारंपरिक पिथोरा चित्रकला पर एक विशेष कवर जारी किया गया, जिसमें कला और संस्कृति के लिए भारतीय डाक के सहयोग को रेखांकित किया गया। इस कार्यक्रम में डाक-टिकट संग्रहकर्ताओं, बड़ौदा फिलैटली सोसायटी, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, छात्रों और प्रदर्शकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिसने वडोपैक्स-2026 को फिलैटली और डाक विरासत का एक सफल उत्सव बनाया।

5वीं जिला स्तरीय फिलैटली प्रदर्शनी केन्दुझर-पैक्स का आयोजन केन्दुझर के डिस्ट्रिक्ट फिलैटलिक एसोसिएशन के समन्वय से सरकारी महिला महाविद्यालय, केन्दुझर, ओडिशा सर्कल में किया गया। 10.01.2026 को हुए समापन समारोह में मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, ओडिशा सर्कल उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों और डाक-टिकट संग्रहकर्ताओं के साथ फिलैटली के महत्व पर बहुमूल्य विचार साझा किए।

माननीय केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री, गजेंद्र सिंह शेखावत ने 26 जनवरी 2026 को दिल्ली के लाल किले में आयोजित भारत पर्व के दौरान भारतीय डाक मंडप का दौरा किया। दिल्ली सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल कर्नल अखिलेश कुमार पाण्डेय ने उनका स्वागत किया, और उन्हें आधार नामांकन, डाकघर बचत बैंक (पीओएसबी), इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक सेवाओं सहित मंडप में दी जाने वाली सेवाओं के बारे में जानकारी दी। माननीय मंत्री ने इन पहलों की सराहना की और क्यूआर-आधारित डिजिटल भुगतान के माध्यम से एक 'रामायण' फ्रेम खरीदा।

27 जनवरी 2026 को तमिलनाडु डाक सर्कल की मेजबानी में चेन्नई में 38वीं अखिल भारतीय डाक भारोत्तोलन, पावरलिफ्टिंग और बेस्ट फिजिक टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। श्रीमती मरियम्मा थॉमस, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, तमिलनाडु सर्कल द्वारा इस टूर्नामेंट के शुभारंभ की घोषणा की गई। यह चार दिवसीय कार्यक्रम 30 जनवरी 2026 को संपन्न हुआ, जिसमें देशभर के डाक एथलीटों ने पूरे उत्साह के साथ शक्ति, खेल भावना और सौहार्द का प्रदर्शन किया।

भारतीय डाक ने डाक सेवाओं, बचत योजनाओं, बीमा उत्पादों और डिजिटल सुविधाओं के बारे में जागरूकता लाने के उद्देश्य से बिहार के मढ़ौरा में आयोजित डाक चौपाल के माध्यम से स्थानीय समुदायों तक पहुंच स्थापित की। इस पहल में जन कल्याण योजनाओं के तहत बालकों के लिए खाते खोलने सहित नागरिकों के साथ सीधे संवाद किया गया।

दयालन प्राथमिक और नर्सरी स्कूल, वालाजापेट, तमिलनाडु सर्कल में आयोजित ढाई आखर पत्र-लेखन प्रतियोगिता में युवा छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिसके माध्यम से कम आयु में हस्तलिखित पत्राचार और रचनात्मकता को बढ़ावा मिला।

नई दिल्ली में पीएलआई एवं आरपीएलआई कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 13 सर्कलों ने भाग लिया। यह कार्यशाला देशभर में पॉलिसीधारकों के लिए सेवा डिलीवरी के सुदृढ़ीकरण पर केंद्रित थी। इस कार्यशाला में सर्कल-वार कार्य-निष्पादन और प्रमुख पहलों की व्यापक समीक्षा की गई। मुख्य व्याख्यान श्रीमती मनीषा सिन्हा, सदस्य (वित्तीय सेवाएं) द्वारा दिया गया, जिसमें दक्षता, आउटरीच और ग्राहक-केंद्रित विकास के लिए साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। इस सत्र में श्री तनवीर क़मर मोहम्मद, सीजीएम (पीएलआई) भी उपस्थिति रहे।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर, तमिलनाडु सर्कल ने बालिकाओं के लिए डाक बचत और वित्तीय सुरक्षा पर जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए बाइलर प्रोजेक्ट उप डाकघर में छात्राओं के लिए एक विशेष भित्ति चित्रकला कार्यक्रम का आयोजन किया।

ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी के साथ, थालारकुलम को संपूर्ण बीमा ग्राम और संपूर्ण सुकन्या ग्राम घोषित किया गया, जो संपूर्ण बीमा और बचत कवरेज प्राप्त करने में सामूहिक विश्वास और सहयोग को दर्शाता है।

कार्यस्थल पर सुविधा और सम्मान को बढ़ावा देने हेतु एक कल्याणकारी पहल के रूप में, कर्मचारी कल्याण के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए अधीक्षक डाकघर, बेल्लारी द्वारा द्वारा स्तनपान कक्ष (फीडिंग रूम) का उद्घाटन किया गया।

वीडियो देखने के लिए
इस QR कोड को स्कैन करें

छत्तीसगढ़ के रायपुर के निकट कुरूद गांव में, भारतीय डाक ने पारंपरिक जीविकोपार्जन का समर्थन करने और स्थानीय शिल्प कौशल को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत कारीगरों को टूलकिट डिलीवर किए।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

भारतीय डाक
डाक सेवा-जन सेवा
India Post
Dak Sewa-Jan Sewa

हमें फॉलो करें www.indiapost.gov.in